Daily Current Affairs

Date : 17 October, 2025

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	स्टेट माइनिंग रेडीनेस इंडेक्स (SMRI) में राजस्थान
2.	प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा का राज्यव्यापी उन्मूलन अभियान
3.	आबू सौंफ-440 : कृषक किस्म के रूप में मान्यता प्राप्त
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. आपकी पूँजी, आपका अधिकार अभियान 2. राइनोलॉजी क्षेत्र में इंडिया – USA सहयोग 3. सांगानेरी प्रिन्ट : रेलवे में पायलट प्रोजेक्ट 4. डॉ. यश गोयल का निधन 5. नाहरगढ़ जैविक उद्यान में हिमालयन भालू
5.	संयुक्त राष्ट्र शांति सेना प्रमुखों का सम्मेलन, 2025
6.	WHO: दौरान दक्षिण-पूर्व एशिया समिति
7.	संयुक्त राष्ट्र वैश्विक भू-स्थानिक सूचना प्रबंधन की क्षेत्रीय समिति का सह-अध्यक्ष : भारत
8.	प्री- AI इम्पैक्ट समिट, 2025
9.	सैन्य लड़ाकू पैराशूट प्रणाली (MCPS)
10.	'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' नीति
11.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) का 32वां स्थापना दिवस
12.	हेनले पासपोर्ट इंडेक्स, 2025
13.	अभ्यास समुद्र शक्ति, 2025
14.	खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, 2025 : राजस्थान
15.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. विश्व मेरूदंड दिवस : 16 अक्टूबर 2. रावु बालासरस्वती देवी 3. ICC प्लेयर ऑफ द मंथ, 2025: सितंबर

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

स्टेट माइनिंग रेडीनेस इंडेक्स (SMRI) में राजस्थान

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में जारी स्टेट माइनिंग रेडीनेस इंडेक्स (SMRI) में राजस्थान ने श्रेणी A में पूरे देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

मुख्य बिन्दु:

- केंद्रीय बजट 2025-26 के अंतर्गत की गई घोषणा के अनुरूप खान मंत्रालय द्वारा 'स्टेट माइनिंग रेडीनेस इंडेक्स (SMRI)' जारी किया गया है।
- इस इंडेक्स को भारतीय खनिज विद्यापीठ धनबाद के सहयोग से तैयार किया गया है।
- सूचकांक में नीलामी प्रदर्शन, शीघ्र खदान संचालन, अन्वेषण और गैर-कोयला खनिजों से संबंधित सतत् खनन जैसे संकेतक शामिल किए गए हैं, जो खनन क्षेत्र में राज्यों के प्रदर्शन को रेखांकित करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

SMRI में राज्यों की श्रेणीवार रैंकिंग :

श्रेणी	शीर्ष 3 राज्य
A	1. मध्य प्रदेश 2. राजस्थान 3. गुजरात
B	1. गोवा 2. उत्तर प्रदेश 3. असम
C	1. पंजाब 2. उत्तराखंड 3. त्रिपुरा

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- प्री-एम्बेडेड ब्लॉकों की नीलामी करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य है।
- **देश का पहला हार्ड रॉक ब्लॉक :** सिवाना तहसील के भाटीखेड़ा ब्लॉक में हार्ड रॉक ग्रेनाइट में रेयर एलिमेंट्स का भंडार मिला है। हार्ड रॉक में इतने बड़े पैमाने पर दुर्लभ खनिज मिलने वाला यह देश का पहला ब्लॉक होगा।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (आर्थिक समीक्षा – 2024-25)

राजस्थान में खनन क्षेत्र:

- राजस्थान खनिज संसाधनों के सन्दर्भ में भारत के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक है, यहाँ 81 प्रकार के खनिजों के भंडार हैं, जिनमें से 58 खनिजों का खनन किया जाता है।
- राजस्थान सीसा एवं जस्ता अयस्क, सेलेनाइट और वोलास्टोनाइट का एकमात्र उत्पादक राज्य है, वहीं चाँदी, कैल्साइट एवं जिप्सम के उत्पादन में देश में अग्रणी है।
- राजस्थान बॉल क्ले, फॉस्फोराइट, गेरू, स्टीटाइट, फेल्सपार और फायर क्ले के राष्ट्रीय उत्पादन में शीर्ष पर है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- राजस्थान संगमरमर, बलुआ पत्थर और ग्रेनाइट जैसे आयामी पत्थरों के साथ-साथ सीमेंट-ग्रेड और स्टील-ग्रेड चूना पत्थर का एक प्रमुख उत्पादक राज्य है।
- वर्ष 2024-25 में खान एवं भूविज्ञान विभाग हेतु ₹9,500 करोड़ का राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

राजस्थान खनिज नीति, 2024:

- **जारी –** 04 दिसंबर, 2024 को।
- राजस्थान खनिज नीति, 2024 का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक कल्याण सुनिश्चित करते हुए आर्थिक विकास के लिए राज्य के प्रचुर खनिज संसाधनों का लाभ उठाते हुए टिकाऊ, पारदर्शी और जिम्मेदार खनिज विकास को बढ़ावा देना है।

मुख्य विशेषताएँ:

- **आर्थिक विकास और निवेश:** खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना, निवेश आकर्षित करना और राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) में इस क्षेत्र के योगदान को बढ़ाना।
- **रोजगार सृजन:** वर्ष 2047 तक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 1 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना।
- **स्थिरता और ई.एस.जी. अनुपालन:** शून्य अपशिष्ट खनन, पर्यावरण अनुकूल तकनीकों और अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों को लागू करना।
- **प्रौद्योगिकी एकीकरण:** उन्नत अन्वेषण तकनीकों, A.I. आधारित निगरानी और डिजिटल प्रशासन अपनाकर पारदर्शिता सुनिश्चित करना।
- **अवैध खनन शमन:** GPS- आधारित ट्रैकिंग, जियो-फेंसिंग और रीयल-टाइम निगरानी का उपयोग कर अवैध गतिविधियों को रोकना।

प्रमुख पहल :

- वर्ष 2047 तक खनिज निष्कर्षण को 58 से बढ़ाकर 70 तक करना।
- पूर्व-निर्धारित स्वीकृति के साथ 50 प्रमुख खनिज ब्लॉकों की नीलामी।
- खनन रियायत क्षेत्र को वर्ष 2047 तक राज्य की कुल भूमि के 2 प्रतिशत तक बढ़ाना।
- स्वच्छ ऊर्जा के समर्थन में रणनीतिक और महत्त्वपूर्ण खनिजों (जैसे - लिथियम, रेयर अर्थ एलीमेंट्स) को बढ़ावा देना।
- खनिज संसाधनों में मूल्य संवर्धन और अनुसंधान हेतु एक राज्य खनन कंपनी की स्थापना करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा का राज्यव्यापी उन्मूलन अभियान

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार द्वारा राज्य से विलायती बबूल (प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा) के संपूर्ण उन्मूलन के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयारी की जा रही है।

मुख्य बिन्दु:

- प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा एक आक्रामक पादप प्रजाति है, जिसे भारत में विलायती बबूल, गोरख इमली या समी (थोर) के नाम से जाना जाता है। यह मुख्य रूप से राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में पाया जाता है।
- यह पादप प्रजाति ग्रामीण भूमि, चारागाहों और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। इसकी गहरी जड़ें (लगभग 30 फीट तक) और अत्यधिक जल सोखने की क्षमता (15 मीटर तक) भूजल स्तर में गिरावट और मृदा की उर्वरता में कमी का कारण बन रही हैं। इसके कारण देशी पौधों की प्रजातियाँ भी नष्ट हो रही हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **लैन्टाना घास :** राजस्थान में पाई जाने वाली यह भी एक आक्रामक पादप प्रजाति है, जिसे आमतौर पर लैन्टाना कैमारा के नाम से जाना जाता है। यह पौधा मध्य भारत, दक्षिण भारत, हिमालय की तराई और राजस्थान के अरावली क्षेत्र में व्यापक रूप से फैला हुआ है।
- **राजस्थान का वनावरण :** इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट (ISFR) – 2023 के अनुसार राज्य का वनावरण 16,548.21 वर्ग किमी. (कुल भौगोलिक क्षेत्र का 4.84 प्रतिशत) है तथा वृक्षावरण 10,841.12 वर्ग किमी. है। अतः राज्य का कुल वनावरण और वृक्षावरण 27,389.33 वर्ग किमी. है, जो कि राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 8 प्रतिशत है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना (RFBDP)

- **समर्थन :** एजेंसी फ्रांसेइस डी डेवलपमेंट (AFD) द्वारा समर्थित।
- **परियोजना अवधि :** वर्ष 2023-24 से 2030-31 (8 वर्ष)
- **परियोजना की कुल लागत :** ₹1,693.91 करोड़ है, जिसमें ₹1,185.28 करोड़ AFD के ऋण योगदान के रूप में और ₹508.63 करोड़ राजस्थान राज्य द्वारा वहन किए जाएंगे।
- **उद्देश्य :** राज्य के पूर्वी क्षेत्र में जैव विविधता का संरक्षण और पर्णपाती वन संसाधनों में वृद्धि करना।
- **यह परियोजना राजस्थान के 13 जिलों;** अलवर, बबारां, भीलवाड़ा, भरतपुर, बूँदी, दौसा, धौलपुर, जयपुर, झालावाड़, करौली, कोटा, सवाई माधोपुर और टोंक में क्रियान्वित की जा रही है।

राजस्थान जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया और पारिस्थितिकी तंत्र सेवा संवर्धन:

- यह परियोजना जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (JICA) द्वारा वित्त पोषित है।
- **परियोजना लागत :** ₹1,774.30 करोड़ है, जिसमें ₹1,493.20 करोड़ JICA का ऋण अंश और ₹281.10 करोड़ राज्यांश है।
- यह परियोजना अक्टूबर, 2024 से प्रभावी है और मार्च, 2035 तक क्रियान्वित की जाएगी।
- **यह योजन राजस्थान के 19 जिलों;** अजमेर, बाड़मेर, बाँसवाड़ा, बीकानेर, चूरू, चित्तौड़गढ़, डूँगरपुर, जयपुर, जैसलमेर, जालौर, झुंझुनूँ, जोधपुर, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, सीकर, सिरोही, राजसमंद और उदयपुर में क्रियान्वित की जा रही है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आबू सौंफ-440 : कृषक किस्म के रूप में मान्यता प्राप्त

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण ने 'आबू सौंफ-440' को कृषक किस्म के रूप में मान्यता प्रदान की।

मुख्य बिन्दु:

- यह पहली बार है जब राजस्थान की किसी सौंफ की किस्म को केन्द्रीय प्राधिकरण द्वारा मान्यता प्रदान की गई है।
- इसके पंजीकरण के लिए दक्षिण एशिया बायोटेक्नोलॉजी सेंटर, जोधपुर और काजरी क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र की ओर से अप्रैल, 2024 में आवेदन किया गया था।
- आबू सौंफ-440 सौंफ की विशेष किस्म है, जो मुख्य रूप से सिरोही के माउंट आबू की उपजाऊ तराई क्षेत्र में करीब 9,000 हेक्टेयर पर बोई जाती हैं।
- इसमें प्रति पौधा 80 से अधिक एम्बेल (छत्रकों) के साथ उच्च उत्पादकता, रोग प्रतिरोधक क्षमता और बेहतर अनुकूलनशीलता और विशिष्ट सुगंध जैसी विशेषताएँ पाई जाती है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण :

- **पूरा नाम :** पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण।
- **स्थापना :** पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 के तहत् वर्ष 2005 में अस्तित्व में आया।
- **संबंधित मंत्रालय :** केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय।
- **मुख्य उद्देश्य :** किसानों और पादप प्रजनकों को फसल किस्मों के विकास के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार प्रदान करना और उनकी रक्षा करना, जिससे वे 15-18 वर्षों तक उत्पादन और विपणन के लिए विशेष अधिकार प्राप्त कर सकें।
- यह प्राधिकरण कृषक किस्मों का पंजीकरण करता है और पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण में लगे किसानों को पुरस्कृत करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**आपकी पूँजी, आपका अधिकार अभियान** ■ हाल ही में, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने अजमेर में 'आपकी पूँजी, आपका अधिकार अभियान' में हिस्सा लिया। ■ देशभर में बैंकों, बीमा कंपनियों, पेंशन खातों और निवेश योजनाओं की अनक्लेम्ड वित्तीय पूँजी के त्वरित निपटान और वापसी के लिए केन्द्रीय वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा 'आपकी पूँजी, आपका अधिकार अभियान' संचालित किया जा रहा है।
2.	**राइनोलॉजी क्षेत्र में इंडिया – USA सहयोग** ■ राइनोलॉजी के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से ऑल इंडिया राइनोलॉजी सोसाइटी (AIRS) और अमेरिकन राइनोलॉजिक सोसाइटी (ARS) ने 12 अक्टूबर, 2025 को इंडियानापोलिस (USA) में एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। ■ समझौते पर भारत की ओर से प्रो. मोहनीश ग्रोवर (जयपुर) और प्रो. रोहित शर्मा (बरेली) ने जबकि अमेरिका की ओर से प्रो. केविन वेल्च और प्रो. डो-यॉन चो ने हस्ताक्षर किए। ■ जयपुर के SMS मेडिकल कॉलेज में वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. ग्रोवर ने इंडियानापोलिस में आयोजित अमेरिकन एकेडमी ऑफ ओटोलरिंगोलॉजी हेड एंड नेक सर्जरी की वार्षिक बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3.	**सांगानेरी प्रिन्ट : रेलवे में पायलट प्रोजेक्ट** ■ हाल ही में, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर पारंपरिक सांगानेरी प्रिंट वाले कंबल कवर सेवा की शुरुआत की। ■ इस पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत जयपुर-अहमदाबाद (असारवा) एक्सप्रेस के वातानुकूलित (AC) कोच से की गई है। ■ सांगानेरी हैंड-ब्लॉक मुद्रित वस्त्र अपने सुंदर बहुरंगी फूलों के डिज़ाइनों के लिए जाने जाते हैं। ■ राजस्थान की प्रसिद्ध सांगानेरी प्रिन्ट को वर्ष 2009 में भौगोलिक संकेतक प्रदान किया गया।
4.	**डॉ. यश गोयल का निधन** ■ हाल ही में राजस्थान के प्रसिद्ध व्यंग्यकार, पत्रकार और साहित्यकार डॉ. यश गोयल का जयपुर में निधन हो गया। ■ उन्होंने वर्ष 1978 में जोधपुर में पत्रकारिता की शुरुआत की। ■ उनकी प्रसिद्ध व्यंग्य कृति "नामुमकिन नेता" को राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा कन्हैयालाल सहल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। ■ **व्यंग्य संग्रह :** गुणसूत्र, मंत्री का चश्मा, कुर्सी का देवदास। ■ **कहानी संग्रह :** उतरा हुआ कोट, कागज के हाथ।
5.	**नाहरगढ़ जैविक उद्यान में हिमालयन भालू** ■ एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत नाहरगढ़ जैविक उद्यान में जम्मू से हिमालयन भालू लाया जाएगा। ■ नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में वर्तमान में पाँच देशी भालू (स्लोथ बीयर) हैं। इनमें नर भालू शंभू, मादा झुमरी के साथ ही उनके तीन बच्चे कावेरी, गौरी और गोपाल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

संयुक्त राष्ट्र शांति सेना प्रमुखों का सम्मेलन, 2025

मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन :** 14 से 16 अक्टूबर, 2025 तक भारतीय सेना द्वारा।
- सम्मेलन का समापन इस सर्वसम्मत प्रतिबद्धता के साथ हुआ कि संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना को निम्नलिखित के माध्यम से नई वास्तविकताओं के अनुकूल होना चाहिए -
  1. सैनिक भेजने वाले देशों की सशक्त आवाज़ के साथ समावेशी निर्णय-प्रक्रिया।
  2. वास्तविक आदेशों के माध्यम से शांति सैनिकों की सुरक्षा और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना।
  3. मिशन की सफलता के लिए स्वदेशी और लागत-प्रभावी तकनीकों का लाभ उठाना।
  4. जटिल परिस्थितियों के लिए सैनिकों को तैयार करने हेतु बेहतर अंतर-संचालनीयता और प्रशिक्षण ढाँचे।
  5. विश्वास, सहयोग और साझा ज़िम्मेदारी पर आधारित टिकाऊ साझेदारी।
- **Note; भारत की रैंक:** UN शांति स्थापना अभियानों में शीर्ष 3 सैनिक योगदानकर्ताओं में शामिल।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

WHO: दौरान दक्षिण-पूर्व एशिया समिति

मुख्य बिन्दु:

- केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया सिंह पटेल ने 13 से 15 अक्टूबर, 2025 के दौरान दक्षिण-पूर्व एशिया की विश्व स्वास्थ्य संगठन क्षेत्रीय समिति के कोलंबो में आयोजित 78वें सत्र के मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया।
- मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान, विचार-विमर्श "मजबूत प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के माध्यम से स्वस्थ वृद्धावस्था" विषय पर केन्द्रित था।
- **संयुक्त राष्ट्र के स्वस्थ वृद्धावस्था दशक ;** 2021-2030
- **WHO; विश्व स्वास्थ्य संगठन:**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

WHO
Specialized **UN Agency**
Responsible for global public health.

Members
194
- 192 All UN Members (Except Liechtenstein)
- 2 Cook Islands & Niue

Establishment
7th Apr 1948
(World Health Day)
→ First UN Agency where all members subscribed

Headquarters
Geneva, Switzerland

Objectives

Universal Health Coverage
Expand global access

Focus on Disease
Prevention, control, and elimination.

Global Health Leadership
Set standards, provide technical support.

Achievements

- **Disease Eradication** e.g. Smallpox eradication.
- **Healthy Lifestyles** Promotion campaigns.
- **Health Systems** Strengthened globally.
- **Tobacco Reduction** Anti-tobacco initiatives.
- **Mental Health** Advancements in mental health
- **Immunization Programs** Expanded Program on Immunization (EPI).

Challenges

Autonomy Issues
Forced to align with "key donor" (US, China) driven goals due to heavy dependence on voluntary contributions

Financial Constraints
Limited ~$2bn budget, smaller than many university hospitals.

No Sanction Power
No Power to sanction members for violating public health rules

Organisational Lethargy
Inefficiency due to weak leadership

Limited role of member countries
Dominated by independent experts

PHEIC

Public Health Emergency of International Concern (PHEIC) is an extraordinary event which is determined to constitute a public health risk to other States through the international spread of disease and to potentially require a coordinated international response

- **2009** Swine Flu (H1N1)
- **2014** Polio resurgence
- **2014** Ebola in West Africa
- **2016** Zika Virus in the Americas
- **2019** Ebola in Congo
- **2020** COVID-19
- **2024** Monkeypox

Governance

World Health Assembly (WHA)
Decision-making body, meets annually in Geneva

Functions
Setting policies, Appointing Director-General

Director-General
1. Elected by WHA by a secret ballot
2. Can be re-appointed Once.
3. Serves 5 years

Finances

Funding Sources (2)

Assessed Contributions
Based on GDP percentage of member states.

Voluntary Contributions
From member states and other partners.

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

संयुक्त राष्ट्र वैश्विक भू-स्थानिक सूचना प्रबंधन की क्षेत्रीय समिति का सह-अध्यक्ष : भारत

चर्चा में क्यों?

- भारत को एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए संयुक्त राष्ट्र वैश्विक भू-स्थानिक सूचना प्रबंधन – UN-GGIM-AP की क्षेत्रीय समिति का सह-अध्यक्ष चुना गया है।

मुख्य बिन्दु:

- **सह-अध्यक्षता अवधि :** 3 वर्ष (वर्ष 2028 तक)
- यह चुनाव 24 से 26 अगस्त, 2025 तक कोरिया गणराज्य के गोयांग-सी में UN-GGIM-AP की चौदहवीं पूर्ण बैठक के दौरान आयोजित किए गए थे, जिसकी मेजबानी नेशनल ज्योग्राफिक इन्फॉर्मेशन इंस्टीट्यूट ने की थी।
- UN-GGIM-AP वैश्विक भू-स्थानिक सूचना प्रबंधन पर संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञ समिति की पाँच क्षेत्रीय समितियों में से एक है।
- यह एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 56 देशों की राष्ट्रीय भू-स्थानिक सूचना एजेंसियों का प्रतिनिधित्व करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

प्री- AI इम्पैक्ट समिट, 2025

चर्चा में क्यों?

- उत्तराखंड सरकार, भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MEITY) के इंडिया AI मिशन के सहयोग से 17 अक्टूबर, 2025 को देहरादून में उत्तराखंड AI इम्पैक्ट समिट 2025 का आयोजन कर रही है।

मुख्य बिन्दु:

- यह आयोजन 19 से 20 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होने वाले इंडिया-AI इम्पैक्ट समिट 2026 का एक प्री-समिट कार्यक्रम है।

भारत-AI इम्पैक्ट समिट, 2026 :

- भारत-AI इम्पैक्ट समिट, 2026 विकासशील देशों (ग्लोबल सॉउथ) में आयोजित होने वाला पहला वैश्विक एआई फोरम है, जो वैश्विक एआई एजेंडे को आकार देने में भारत के बढ़ते नेतृत्व को दर्शाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **आयोजन :** इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आयोजित, भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026, 19 से 20 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।
- **उद्देश्य :** यह कार्यक्रम नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्तियों, स्टार्टअप्स और शिक्षाविदों को एक साथ लाएगा ताकि डिजिटल इंडिया विजन के साथ संयोजित नवोन्मेषण, शासन और उद्यमिता के माध्यम से डिजिटल उत्तराखंड विजन को आगे बढ़ाया जा सके।
- **विजन :** "सभी के लिए AI" के राष्ट्रीय विजन पर आधारित, अगले वर्ष के वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन से पूर्व यह शिखर सम्मेलन सामाजिक समावेशन, नवाचार और बेहतर सार्वजनिक सेवा वितरण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति का उपयोग करने का प्रयास करता है।
- **तीन सूत्र :** शिखर सम्मेलन तीन मार्गदर्शक सिद्धांतों या सूत्रों पर आधारित होगा:
  1. **लोग :** AI को अपनी समस्त विविधता में मानवता की सेवा करनी चाहिए, सांस्कृतिक पहचान का सम्मान करना चाहिए, गरिमा की रक्षा करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी वंचित न रह जाए। फोकस क्षेत्रों में AI -सक्षम विश्व में मानव विकास, बहुभाषी और सुलभ प्रणालियाँ और सुरक्षित एवं विश्वसनीय तैनाती शामिल हैं।
  2. **ग्रह :** AI का विकास और तैनाती संसाधन-कुशल होनी चाहिए और साथ ही जलवायु लचीलापन, पर्यावरण संरक्षण और वैज्ञानिक खोजों में भी तेज़ी लाई जानी चाहिए। एआई को विश्व की प्राकृतिक प्रणालियों और संसाधनों तथा वैश्विक स्थिरता लक्ष्यों के साथ संयोजित होना चाहिए।
  3. **प्रगति :** AI के लाभों का समान वितरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए, डेटासेट, कंप्यूट और मॉडल की सुविधा का लोकतंत्रीकरण तथा स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, शासन और कृषि में AI को लागू किया जाना चाहिए।
- **सात चक्र :** सूत्रों को सात चक्रों के माध्यम से क्रियान्वित किया जाता है। ये बहुपक्षीय सहयोग के क्षेत्र हैं, जिन्हें ठोस परिणाम देने के लिए डिज़ाइन किया गया है:
  1. **मानव पूँजी -** रोज़गार, कौशल विकास और कार्यबल परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करें। साक्षरता, पुनः कौशल विकास और भविष्य के कौशलों तक समान पहुँच के लिए वैश्विक ढाँचे विकसित करें।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2. **सामाजिक सशक्तिकरण के लिए समावेशन -** ऐसी एआई को बढ़ावा देना जो भाषाओं, संस्कृतियों और पहचानों को प्रतिबिंबित करे; दिव्यांगजनों के लिए पहुँच सुनिश्चित करे; जेंडर और डेटा पूर्वाग्रहों को रोके।
3. **सुरक्षित और विश्वसनीय AI -** सुरक्षा परीक्षण, पारदर्शिता और लेखा परीक्षा उपकरणों तक लोकतांत्रिक पहुँच प्रदान करना; अंतर-संचालनीय शासन और आश्वासन तंत्र का निर्माण करना।
4. **लचीलापन, नवाचार और दक्षता -** संसाधन-कुशल एआई को बढ़ावा देना, हल्का और स्थानीय वास्तविकताओं के अनुकूल होना, असमानताओं और पर्यावरणीय लागतों को कम करना।
5. **विज्ञान -** अनुसंधान और खोज में तेजी लाने के लिए एआई के जिम्मेदार उपयोग का विस्तार करना; विकासशील देशों में इकोसिस्टम और साझेदारी को सुदृढ़ करना; खुले, अंत:विषयगत अनुसंधान को बढ़ावा देना।
6. **AI संसाधनों का लोकतंत्रीकरण -** वैश्विक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने वाले विविध एआई समाधानों में सक्षम बनाते हुए डेटा, कंप्यूट, मॉडल और महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे तक समान पहुँच के लिए मार्ग तैयार करना।
7. **आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण के लिए AI -** सार्वजनिक हित के क्षेत्रों में एआई अनुप्रयोगों की पहचान करना और उनका विस्तार करना; ज्ञान और संसाधन साझा करने के लिए मंच बनाना; सीमा पार सहयोग को सक्षम बनाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सैन्य लड़ाकू पैराशूट प्रणाली (MCPS)

चर्चा में क्यों?

- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित सैन्य लड़ाकू पैराशूट प्रणाली (MCPS) ने 32,000 फीट की ऊँचाई से सफलतापूर्वक लड़ाकू फ्रीफॉल जंप परीक्षण किया है।

मुख्य बिन्दु:

- इस उपलब्धि के साथ MCPS भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा परिचालन में उपयोग की जाने वाली ऐसी एकमात्र पैराशूट प्रणाली बन गई है, जो 25,000 फीट से अधिक ऊँचाई पर तैनाती में सक्षम है।
- **विकसित :** DRDO प्रयोगशालाओं ; एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (आगरा) और डिफेंस बायोइंजीनियरिंग एंड इलेक्ट्रोमेडिकल लैबोरेटरी (बेंगलुरु) द्वारा।
- **उन्नत सामरिक विशेषताएँ :** कम उतरने की दर और बेहतर स्टीयरिंग क्षमताएँ, जो पैराट्रूपर्स को विमान से सुरक्षित रूप से छलांग लगाने, पूर्वनिर्धारित ऊँचाई पर पैराशूट तैनात करने, सटीक नेविगेशन करने और लक्षित क्षेत्रों में उतरने में सक्षम बनाती हैं।
- यह प्रणाली भारतीय उपग्रह-आधारित नेविगेशन के अनुकूल है और किसी भी संभावित विरोधी के खिलाफ स्वतंत्र रूप से संचालित की जा सकती है; साथ ही यह बाहरी हस्तक्षेप या सेवा-निरस्ती जैसे प्रयासों से प्रभावित होने वाली नहीं है।
- आयातित उपकरणों की तुलना में इसका रखरखाव और मरम्मत प्रक्रिया अधिक सरल व त्वरित है, जिससे पूरे जीवनकाल में इसकी अधिकतम उपयोगिता सुनिश्चित होती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' नीति

चर्चा में क्यों?

- जल के महत्तम उपयोग के लिए प्रेरित करने और किसानों की आय बढ़ाने हेतु, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' - प्रति बूँद अधिक फसल योजना के तहत नई नीति लागू की है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **पहल का उद्देश्य :** किसानों को सूक्ष्म सिंचाई अपनाने में सहायता प्रदान करना, महत्तम जल-उपयोग और अंततः उत्पादकता और आय में वृद्धि करना।
- संशोधित दिशानिर्देशों के तहत, राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अब स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर सूक्ष्म स्तर पर जल प्रबंधन गतिविधियाँ - जैसे डिग्गी निर्माण और जल संचयन प्रणाली की योजना तैयार कर सकते हैं।
- इससे पहले ऐसी गतिविधियों के लिए प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के लिए धन राशि, कुल आवंटन का 20 प्रतिशत और पूर्वोत्तर राज्यों, हिमालयी राज्यों और जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 40 प्रतिशत तक सीमित थी। अब, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को अपनी विशिष्ट आवश्यकतानुसार इस सीमा से अधिक धन राशि व्यय करने की छूट दी गई है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना :

- **शुरुआत :** वर्ष 2015 (केंद्र प्रायोजित योजना)।
- **अवधि :** वर्ष 2026 तक।
- **अंश :** केंद्र-राज्य की हिस्सेदारी - 75:25 प्रतिशत, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और पहाड़ी राज्य की हिस्सेदारी - 90:10 प्रतिशत।

संबंधित मंत्रालय :

- कृषि मंत्रालय
- जल संसाधन मंत्रालय,
- नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय
- ग्रामीण विकास मंत्रालय

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **तीन मुख्य घटक हैं-** त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (AIBP ; वर्ष 1996), हर खेत को पानी (HKKP) और वाटरशेड डेवलपमेंट।
- **इसके उप घटकों में शामिल हैं:** कमान क्षेत्र विकास (CAD), भूतल लघु सिंचाई (SMI), जल निकायों की मरम्मत, नवीनीकरण और बहाली (RRR), भूजल विकास।

विशेषताएँ :

1. अपूर्ण और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए, नाबार्ड के तत्वाधान में एक दीर्घकालीन सिंचाई निधि(LTIF) की स्थापना की गयी है।
2. राज्यों को रियायती ब्याज दर पर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए नाबार्ड द्वारा एक समर्पित सूक्ष्म सिंचाई कोष(MIF) की भी स्थापना की गई है।
3. जल शक्ति मंत्रालय ने वर्ष 2020 में PMKSY के तहत् परियोजनाओं के घटकों की जियो-टैगिंग हेतु एक मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया।
4. प्रधान मंत्री की अध्यक्षता वाली अंतर-मंत्रालयी संचालन समिति द्वारा इस योजना का निरीक्षण और निगरानी की जाएगी।
5. योजना के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए नीति आयोग के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजव्यवस्था

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) का 32वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों?

- **राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में अपने 32वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 'जेल के कैदियों के मानवाधिकार' पर एक समारोह और राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **आयोग की स्थापना :** 12 अक्टूबर, 1993 (मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम (Protection of Human Rights Act- PHRA), 1993 के प्रावधानों के तहत) में पेरिस सिद्धांतों के अनुरूप।
- HRA अधिनियम को मानवाधिकार संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2006 और मानवाधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा संशोधित किया गया था।
- इसे पेरिस सिद्धांतों के अनुरूप स्थापित किया गया था, जिसे मानवाधिकारों के प्रचार और संरक्षण के लिये अपनाया गया था।
- **संरचना :** एक अध्यक्ष + पाँच पूर्णकालिक सदस्य + सात मानद सदस्य (Deemed Members)।
- नोट ; अध्यक्ष भारत का पूर्व मुख्य न्यायाधीश या सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश होता है।

नियुक्ति :

- अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा छह सदस्यीय समिति की सिफारिशों के आधार पर की जाती है।
- समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा का उपसभापति, संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के नेता तथा केंद्रीय गृह मंत्री शामिल होते हैं।
- **कार्यकाल :** अध्यक्ष और सदस्य तीन वर्ष की अवधि के लिये या 70 वर्ष की आयु तक (जो भी पहले हो) पद पर बने रहते हैं।

भूमिका एवं कार्य:

1. इस आयोग के पास न्यायिक कार्यवाही करने के साथ ही सिविल न्यायालय की शक्तियाँ हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2. मानवाधिकार उल्लंघनों की जाँच के लिये केंद्र अथवा राज्य सरकार के अधिकारियों या जाँच एजेंसियों की सेवाओं का प्रयोग करने का अधिकार।
3. मामला घटित होने के एक वर्ष के भीतर मामलों की जाँच करने का अधिकार।
4. इसके कार्य की प्रकृति मुख्यत: अनुशंसात्मक होती है।

कमियाँ	सुदृढ़ करने हेतु कदम
सिफारिशों की गैर-बाध्यकारी प्रकृति जिनका इसका प्रभाव विधिक के बजाय काफी हद तक नैतिक होता है।	व्यापकता और प्रभावशीलता में सुधार, उदाहरणत: कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डीप फेक, क्लाइमेट चेंज आदि।
उल्लंघनकर्त्ताओं को दंडित करने में असमर्थता	**प्रवर्तन शक्तियाँ प्रदान करना ;** अपनी सिफारिशों को लागू करने के लिये NHRC को दंडात्मक शक्तियों से सशक्त बनाना।
सशस्त्र बल संबंधी मामलों में सीमित भूमिका	**संरचना में सुधार ;** वर्तमान संरचना में विविधता का अभाव है। समग्र परिप्रेक्ष्य सुनिश्चित करने के लिये नागरिक समाज, कार्यकर्त्ताओं और विशेषज्ञों से सदस्यों की नियुक्ति करना।
NHRC एक वर्ष के बाद रिपोर्ट किये गए मानवाधिकार उल्लंघनों के मामलों पर विचार नहीं कर सकता।	एक स्वतंत्र कैडर का विकास करना
संसाधनों की कमी, पद रिक्तता, कर्मचारियों की कमी स्वायतत्ता का अभाव, सक्रिय हस्तक्षेप	राज्य मानवाधिकार आयोग का सशक्तीकरण, प्रोत्साहन और जन जागरूकता, अंतरराष्ट्रीय सहयोग

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स, 2025

चर्चा में क्यों?

- भारत का पासपोर्ट, 2025 के हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में 85वें स्थान पर आ गया है। पिछले इंडेक्स (80वाँ स्थान)की तुलना में भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग में गिरावट दर्ज की गई है।

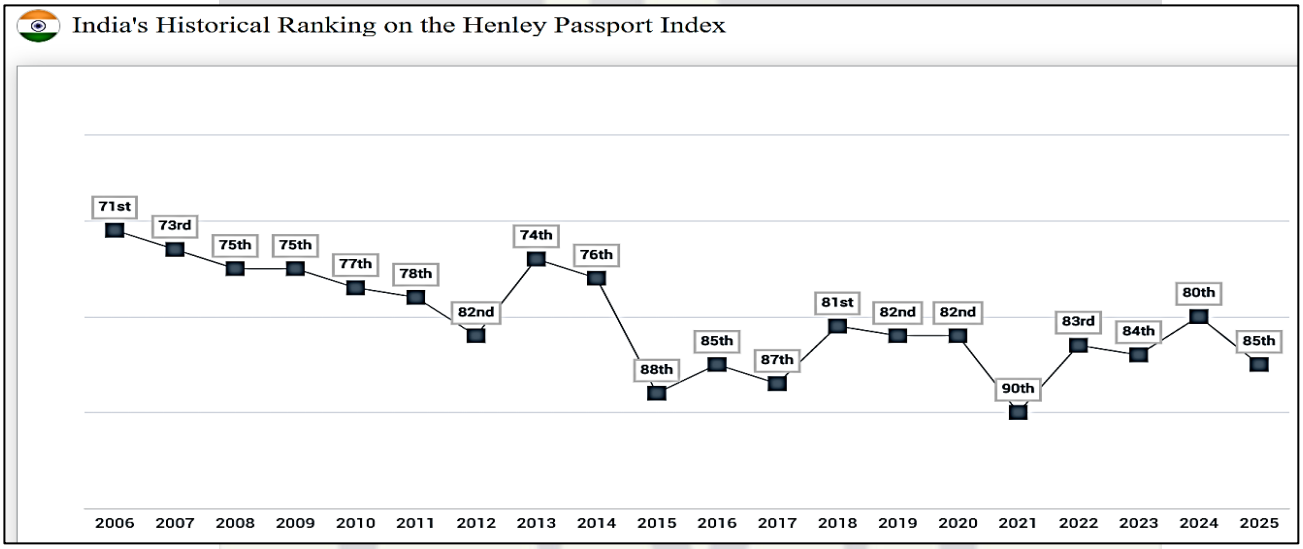

मुख्य बिन्दु:

- हेनली पासपोर्ट इंडेक्स एक वैश्विक रैंकिंग है, जो यह बताया है कि किसी देश के नागरिक अपने पासपोर्ट से कितने देशों में बिना वीजा यात्रा कर सकते हैं।
- **जारीकर्त्ता :** हेनले एंड पार्टनर्स।
- **डेटा स्रोत :** अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (IATA)।
- यह सूचकांक तिमाही आधार पर अद्यतन किया जाता है।
- **शुरुआत :** यह इंडेक्स, 2005 में 'Henley & Partners Visa Restrictions Index' के रूप में शुरू हुआ था और वर्ष 2018 में इसका नाम बदलकर 'Henley Passport Index' कर दिया गया था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

वर्ष 2025 की वैश्विक रैंकिंग :

रैंक	देश	बिना वीज़ के गंतव्य संख्या
1st	सिंगापुर	193
2nd	दक्षिण कोरिया	190
3rd	जापान	189
4th	जर्मनी, इटली, लक्ज़मबर्ग, स्पेन, स्विट्ज़रलैंड	188
5th	ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, डेनमार्क, फ़िनलैंड, आयरलैंड, नीदरलैंड	187
6th	हंगरी, न्यूज़ीलैंड, नॉर्वे, पुर्तगाल, स्वीडन	186
7th	ऑस्ट्रेलिया, चेकिया, मल्टा, पोलैंड	185
8th	क्रोएशिया, एस्टोनिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, UAE, UK	184
9th	कनाडा	183
10th	लातविया	182
अंतिम	अफगानिस्तान	24

मुख्य विशेषताएँ

- संयुक्त राज्य अमेरिका पहली बार शीर्ष 10 से बाहर होकर 12वें स्थान पर आ गया, मलेशिया के साथ संयुक्त रूप से, जिसमें 180 देशों में बिना वीज़ा प्रवेश है।
- यूनाइटेड किंगडम, जो 2015 में शीर्ष स्थान पर था, 2025 में 8वें स्थान पर गिर गया — यह उसकी अब तक की सबसे कम रैंकिंग है।
- चीन ने लगातार प्रगति जारी रखी, 2015 में 94वें स्थान से बढ़कर 2025 में 64वें स्थान पर पहुँच गया, और पिछले दशक में 37 अतिरिक्त बिना वीज़ा देशों में प्रवेश की सुविधा जोड़ी।
- UAE ने 10वें स्थान से 8वें स्थान तक छलांग लगाई, जो वैश्विक साझेदारी बढ़ने का संकेत है।

भारत का प्रदर्शन :

- भारत का पासपोर्ट, 2025 में 85वें स्थान पर गिर गया, जबकि 2024 में यह 80वें स्थान पर था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- भारत की सबसे कम रैंकिंग 2021 में (90वां स्थान) और सबसे उच्चतम रैंकिंग 2006 में (71वाँ स्थान) रही।
- यह उतार-चढ़ाव बदलती वीज़ा नीतियों, वैश्विक सुरक्षा स्थितियों और कूटनीतिक वार्ताओं को दर्शाता है।
- भारतीय नागरिकों को 12 देशों में बिना वीजा प्रवेश की सुविधा है। इनमें भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया, मॉरिशस और ट्रिनिडाड एंड टोबैगो जैसे देश शामिल हैं।
- इसके अलावा 27 देशों में वीजा ऑन अराइवल की सुविधा है। इनमें श्रीलंका, मालदीव, जॉर्डन, कतर, बोलिविया, कंबोडिया, इथियोपिया, म्यांमार, तंजानिया और मंगोलिया शामिल हैं।

भारत के पड़ोसी देश :

रैंक	देश
92th	भूटान
100th	बांग्लादेश
101th	नेपाल
103th	पाकिस्तान

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

सरकारी प्रयास :

- **पासपोर्ट सेवा 2.0 :** बेहतर डिजिटल इंटरफेस और ट्रैकिंग सुविधाओं के साथ उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने के लिए पेश किया गया ।
- **ई-पासपोर्ट :** भारत ने सुरक्षा बढ़ाने और आव्रजन को सुव्यवस्थित करने के लिए चिप-युक्त ई-पासपोर्ट लॉन्च किया है।
- **विशेषताएँ शामिल हैं:**
  1. बायोमेट्रिक डेटा संग्रहण
  2. मशीन-पठनीय क्षेत्र (MRZ)
  3. जालसाजी और दुरुपयोग से सुरक्षा

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सैन्य अभ्यास

अभ्यास समुद्र शक्ति, 2025

मुख्य बिन्दु:

- **संयुक्त द्विपक्षीय अभ्यास :** भारत और इंडोनेशिया नौसेना
- **आयोजन :** 14 से 17 अक्टूबर, 2025 तक विशाखापत्तनम में।
- **संस्करण :** पाँचवाँ
- **वर्ष 2025 की मेजबानी :** भारतीय नौसेना
- **उद्देश्य :** दोनों नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना, आपसी समझ को मज़बूत करना और सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को साझा करना।
- **शामिल :** इस अभ्यास में भाग लेने वाली इकाइयों में INS कवरत्ती, पूर्वी नौसेना कमान (ENC) के तत्वावधान में पूर्वी बेड़े का एक पनडुब्बी रोधी युद्धक कोर्वेट और इंडोनेशिया की नौसेना का पोत KRIजॉन लाइ, एक कोर्वेट (एक अभिन्न हेलीकॉप्टर के साथ) शामिल है।

चरण :

1. **बंदरगाह चरण :** इसमें क्रॉस डेक दौरे, संयुक्त योग सत्र, मैत्रीपूर्ण खेल आयोजन और पेशेवर विषय-वस्तु विशेषज्ञों का आदान-प्रदान (SMEE) शामिल हैं।
2. **समुद्री चरण :** हेलीकॉप्टर संचालन, वायु रक्षा अभ्यास, हथियार फायरिंग अभ्यास, दौरा, बोर्ड, खोज और जब्ती (VBSS) अभ्यास शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

खेल

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, 2025 : राजस्थान

चर्चा में क्यों?

- खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (KIUG) का पाँचवाँ संस्करण 24 नवंबर से 5 दिसंबर, 2025 तक राजस्थान के सात शहरों में आयोजित किया जाएगा।

मुख्य बिन्दु:

- प्रतियोगिता 23 पदक खेलों में और एक प्रदर्शन खेल (खो-खो) में आयोजित की जाएगी।
- 5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में पहली बार बीच वॉलीबॉल, कैनोइंग और कयाकिंग, साइकिलिंग और खो-खो शामिल होंगे।
- **यूनिवर्सिटी गेम्स ; सात शहर -** जयपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा और भरतपुर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- KIUG 2025 में 23 पदक विजेता खेल और एक प्रदर्शन खेल शामिल होंगे। पदक विजेता खेलों में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, तलवारबाजी, फुटबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, मल्लखंब, रग्बी, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, टेनिस, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती, योगासन, साइकिलिंग, बीच वॉलीबॉल, कैनोइंग और कयाकिंग शामिल हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

खेलो इंडिया गेम्स :

- खेलो इंडिया योजना युवा मामले और खेल मंत्रालय की प्रमुख केंद्रीय क्षेत्र योजना है।
- पूर्वोत्तर भारत में आयोजित पिछले खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में चंडीगढ़ विश्वविद्यालय चैंपियन बना था। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी और गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे थे।
- इंडिया पैरा गेम्स के दो संस्करण, खेलो इंडिया बीच गेम्स का एक संस्करण और खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल का एक संस्करण शामिल है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**विश्व मेरूदंड दिवस : 16 अक्टूबर** ■ **उद्देश्य :** रीढ़ के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है। ■ **वर्ष 2025 का विषय है-** स्वस्थ मेरुदंड- स्वस्थ भविष्य। ■ वर्ष 2050 तक 843 मिलियन लोगों के रीढ़जनित रोगों से पीड़ित होने की आशंका है। **मेरूदंड :** ■ रीढ़ की हड्डी केंद्रीय तंत्रिका तंत्र (सीएनएस) का एक भाग है । यह कशेरुका दण्ड की कशेरुका नलिका के अंदर स्थित होती है। ■ विकास के दौरान, रीढ़ की हड्डी और कशेरुका दण्ड की वृद्धि के बीच असमानता होती है। रीढ़ की हड्डी का विकास 4 वर्ष की आयु में समाप्त हो जाता है, जबकि कशेरुका दण्ड का विकास 14-18 वर्ष की आयु में समाप्त होता है। ■ रीढ़ की हड्डी, मस्तिष्क स्तंभ का ही एक विस्तार है। यह खोपड़ी के आधार पर स्थित फोरामेन मैग्नम से L1/L2 कशेरुका तक फैली होती है, जहाँ यह शंकु मेडुलरिस (मेडुलरी कोन) के रूप में समाप्त होती है। ■ फिलम टर्मिनल नामक एक पतला धागा शंकु मेडुलरिस के सिरे से शुरू होकर प्रथम अनुमस्तिष्क कशेरुका (Co1) तक फैला होता है और रीढ़ की हड्डी को स्थिर रखता है। ■ कशेरुका दण्ड की तरह, मेरुरज्जु भी खंडों में विभाजित होती है : ग्रीवा, वक्षीय, कटि, त्रिकास्थि और अनुमस्तिष्क।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2.

रावु बालासरस्वती देवी

- तेलुगु सिनेमा की पहली पार्श्वगायिका के रूप में प्रतिष्ठित अभिनेत्री और गायिका रावु बालासरस्वती देवी का 97 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- रावु, ऑल इंडिया रेडियो पर पहली लाइट म्यूजिक गायिका थीं।
- उन्होंने सिनेमा में अपने पार्श्वगायन की शुरुआत वर्ष 1943 की फिल्म भाग्य लक्ष्मी से की।
- रावु ने 1936 की भक्त कुचेला, 1937 की बालयोगिनी और 1939 की थिरुनीलाकांतर सहित कई क्लासिक फिल्मों में कार्य किया।

3.

ICC प्लेयर ऑफ द मंथ, 2025: सितंबर

श्रेणी	व्यक्ति	योगदान
महिला	स्मृति मंधाना	एशिया कप, 2025 में खेले 7 मैचों में 200 की शानदार स्ट्राइक रेट के साथ 314 रन बनाए थे. वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे, उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड भी मिला था। अभिषेक शर्मा अभी ICC T20 बल्लेबाजी रैंकिंग में पहले नंबर पर है। एशिया कप, 2025 के सर्वश्रेष्ठ प्लेयर चुने गए थे।
पुरुष	अभिषेक शर्मा	ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में पहले मैच में 58 और दूसरे मैच में 117 रन बनाए थे. तीसरे मुकाबले में उन्होंने 125 रन बनाए थे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR